उद्यमिता की दिशा में दो विश्वविद्यालयों के बीच एमओयू

विशेष संवाददाता (VOI)

लखनऊ। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद ने यूपी की राज्यपाल व कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की उपस्थिति में प्रदेश के दो विश्वविद्यालयों के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किया। इससे न सिर्फ छात्रों को उद्यमिता की दिशा में कदम बढ़ाने का रास्ता खोला है बल्कि गांव-गिरांव में भी उद्यमियों को तैयार करने का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

राजभवन में एक विशेष कार्यक्रम में हुए समझौते को करने वाले विश्वविद्यालयों में गोरखपुर स्थित मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विवि और कानपुर स्थित छत्रपति शाहूजी महाराज विवि शामिल है।

शनिवार को भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के निदेशक डॉ. सुनील शुक्ल ने बताया कि यह कार्यक्रम छात्रों को उद्यमिता के क्षेत्र मे

प्रशिक्षित व मार्गदर्शन करने के उद्देश्य से विश्वविद्यालयों में लागू होना है। नए शैक्षिक सत्र से छात्रों के लिये लघु एवं दीर्घकालीक पाठ्यक्रम शुरू होंगे।

एकेटीयू के साथ ईडीआईआई से पहले ही हो चुका है समझौता

इस क्रम में शुक्रवार को राजभवन लखनऊ में एक एमओयू पर हस्ताक्षर किये गये है। एमओयू पर ईडीआईआई अहमदाबाद के महानिदेशक डॉ. सुनील शुक्ल और सीएसजेएमयू के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक और एमएमएमटीयू के कुलपति प्रो. जेपी पांडेय ने राज्यपाल के समक्ष हस्ताक्षर किये। इससे छात्रों को उद्यमिता के क्षेत्र में कदम बढ़ाने का अवसर मिलेगा और प्रदेश को एक उद्यमी प्रदेश के रूप में अपनी पहचान मिलने का रास्ता खुलेगा। शुक्ल ने बताया कि इस एमओयू के तहत उत्तर प्रदेश में नवाचार, स्टार्टअप और उद्यमिता की दिशा में छात्रों को प्रेरित एवं प्रशिक्षित किया जायेगा। अब इन दोनो विश्वविद्यालयों में उद्यमिता पाठ्यक्रमों का संचालन, छात्र को स्टार्टअप और कन्क्यूबेशन में सहयोग, आपसी संसाधनों को साझा करना, फैकल्टी ट्रेनिंग, शोधपत्रो का पब्लिकेशन इत्यादि में ईडीआई आई मदद करेगा।

इस एमओयू के माध्यम से प्रदेश के विश्वविद्यालयों में उद्यमिता के अनुकूल वातावरण बनाने का लक्ष्य भी रखा गया है। यह एमओयू तीन वर्ष की अवधि के लिये है। डॉ. शुक्ल ने बताया कि डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी के साथ 13 जनवरी 20 को ही ईडीआई आई से समझौता हो चुका है। ईडीआई आई द्वारा एक मैन फैकल्टी ट्रेनिंग का कार्यक्रम भी पूरा करवाया जा चुका है। यहां के प्रशिक्षित शिक्षक अपने-अपने संस्थानों में नवाचार को बढ़ावा दे रहे है